कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय,
उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), सीतापुर।

साईं आर्शीवाद भवन, केशव ग्रीन सिटी, N.H. 24 शाहजहाँपुर बाईपास, सीतापुर, e-mail: eeruralsitapur@gmail.com

पत्र संख्याः 3012 / M-16 /126 दिनांकः 04/05/2026

सेवा में,

जिलाधिकारी महोदय,
सीतापुर।

विषयः— दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में " **पाइपलाइन में फंसी 15 गांवों की पेयजल योजना** " शीर्षक से प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में " **पाइपलाइन में फंसी 15 गांवों की पेयजल योजना** " शीर्षक से दिनांक 04.05.2026 को प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में सादर अवगत कराना है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर विकास खण्ड रेउसा की ग्राम पंचायत सेवता पाइप पेयजल योजना से सम्बिन्धत है।

प्रश्नगत योजना उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा वित्तीय वर्ष 2010—11 में निर्मित कर संचालन उपरान्त शासनादेश के कम में ग्राम पंचायत को हस्तगत कर दी गई थी। जिसका संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा किया जाना था किन्तु पेयजल योजना के कुशल संचालन एवं अनुरक्षण के अभाव में बंद हो गई एवं कराये गये कार्य समय के साथ क्षतिग्रस्त हो गये थे।

प्रश्नगत सेवता ग्रामीण पाइप पेयजल योजना को पुनः सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्यदायी फर्म मेसर्स एन0सी0सी0 लि0 को पुनर्गठन हेतु आवंटित की गई। वर्तमान में मेसर्स एन0सी0सी0 लि0 द्वारा योजना अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों यथा शिरोपरि जलाशय, पाइप लाइन, पम्प हाउस, बाउण्ड्रीवाल इत्यादि के मरंम्मत/पुनर्गठन के कार्य प्रगति पर है। योजना के समस्त प्रस्तावित कार्यों को दिसम्बर 2028 तक पूर्ण कराया जाना लक्षित है। तदानुसार कार्य प्रगति पर है। दिसम्बर 2028 तक योजना के समस्त कार्यों को पूर्ण कर योजना को कियाशील एवं जन उपयोगी कर दिया जायेगा।

अतः उपरोक्तानुसार आख्या आप महोदय की सेवा में सादर अवलोकनार्थ प्रेषित है।

भवदीय,
Santosh
अधिशासी अभियन्ता

प्रतिलिपिः— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
3. जिला सूचना अधिकारी, सीतापुर।
4. सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर को इस निर्देश के साथ कि योजना के अवशेष कार्यो को फर्म के माध्यम से पूर्ण कराते हुये नियमित जलापूर्ति प्रदान कराना सुनिश्चित करें।
5. मेसर्स एन0सी0सी0 लि0 को इस निर्देश के साथ कि अवशेष कार्यो को पूर्ण कराते हुये नियमित जलापूर्ति प्रदान करना सुनिश्चित करें।

अधिशासी अभियन्ता

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय,
उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), सीतापुर।

साईं आर्शीवाद भवन, केशव ग्रीन सिटी, N.H. 24 शाहजहाँपुर बाईपास, सीतापुर, e-mail: eeruralsitapur@gmail.com

पत्र संख्याः 3012 / M-16 / 126 दिनांकः 04 / 05 / 2026

सेवा में,

जिलाधिकारी महोदय,
सीतापुर।

विषयः— दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में " **पाइपलाइन में फंसी 15 गांवों की पेयजल योजना** " शीर्षक से प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में " **पाइपलाइन में फंसी 15 गांवों की पेयजल योजना** " शीर्षक से दिनांक 04.05.2026 को प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में सादर अवगत कराना है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर विकास खण्ड रेउसा की ग्राम पंचायत सेवता पाइप पेयजल योजना से सम्बिन्धत है।

प्रश्नगत योजना उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा वित्तीय वर्ष 2010—11 में निर्मित कर संचालन उपरान्त शासनादेश के कम में ग्राम पंचायत को हस्तगत कर दी गई थी। जिसका संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा किया जाना था किन्तु पेयजल योजना के कुशल संचालन एवं अनुरक्षण के अभाव में बंद हो गई एवं कराये गये कार्य समय के साथ क्षतिग्रस्त हो गये थे।

प्रश्नगत सेवता ग्रामीण पाइप पेयजल योजना को पुनः सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्यदायी फर्म मेसर्स एन0सी0सी0 लि0 को पुनर्गठन हेतु आवंटित की गई। वर्तमान में मेसर्स एन0सी0सी0 लि0 द्वारा योजना अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों यथा शिरोपरि जलाशय, पाइप लाइन, पम्प हाउस, बाउण्ड्रीवाल इत्यादि के मरम्मत/पुनर्गठन के कार्य प्रगति पर है। योजना के समस्त प्रस्तावित कार्यों को दिसम्बर 2028 तक पूर्ण कराया जाना लक्षित है। तदानुसार कार्य प्रगति पर है। दिसम्बर 2028 तक योजना के समस्त कार्यो को पूर्ण कर योजना को क्रियाशील एवं जन उपयोगी कर दिया जायेगा।

अतः उपरोक्तानुसार आख्या आप महोदय की सेवा में सादर अवलोकनार्थ प्रेषित है।

भवदीय,

/

अधिशासी अभियन्ता

प्रतिलिपिः— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
3. जिला सूचना अधिकारी, सीतापुर।
4. सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर को इस निर्देश के साथ कि योजना के अवशेष कार्यो को फर्म के माध्यम से पूर्ण कराते हुये नियमित जलापूर्ति प्रदान कराना सुनिश्चित करें।
5. मेसर्स एन0सी0सी0 लि0 को इस निर्देश के साथ कि अवशेष कार्यो को पूर्ण कराते हुये नियमित जलापूर्ति प्रदान करना सुनिश्चित करें।

Santosh

अधिशासी अभियन्ता

पाइपलाइन में फंसी 15 गांवों की पेयजल योजना

संवाद न्यूज एजेंसी

सेवता। ब्लॉक रेउसा की ग्राम पंचायत सेवता में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत 2012 में पानी की टंकी का निर्माण शुरू हुआ था।

ग्रामीण बताते हैं एक करोड़ से अधिक की धनराशि से इलाके के 15 गांवों को इस योजना के तहत शुद्ध पेयजल मुहैया कराना था। परिसीमन के पहले 15 गांवों को जोड़ने वाली इस बड़ी ग्रामसभा के ग्रामीण अब तक स्वच्छ पेयजल के लिए तरस रहे हैं।

2017 में टंकी बनकर तैयार हो गई। गांवों में पाइपलाइन भी बिछा दी गई थी। यही नहीं 60 घरों में कनेक्शन भी कर दिए गए थे। इस सरकारी कवायद के बावजूद ग्रामीण अब तक शुद्ध पेयजल का इंतजार कर रहे हैं।

ट्रायल के दौरान सामने आए थे लीकेज : ग्रामीणों का कहना है कि ट्रायल के दौरान पाइपलाइन में कई जगह लीकेज सामने आए थे। ठेकेदार द्वारा लीकेज ठीक कराने की बात कही गई। नौ वर्ष बाद भी समस्या का निदान नहीं हो सका है। सिस्टम की लापरवाही की वजह से ग्रामीणों के घरों में लगे नल सूखे पड़े हैं।

नई योजना ने भी किया मायूस : ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन योजना शुरू होने के बाद शुद्ध पेयजल मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है। रामसागर गौतम, अनिल अवस्थी, मिश्री लाल, सुरेंद्र, अनुराग शुक्ला आदि ने जल्द जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

2017 में बनी थी टंकी, अब तक नहीं मिल सका पानी

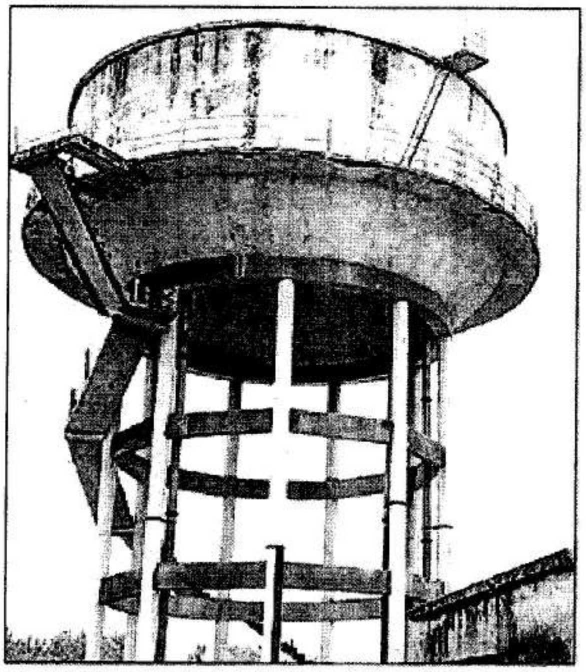

सेवता में बनी पानी की टंकी। - संवाद

भेजा गया है प्रस्ताव

" सेवता में बनी पानी की टंकी की पाइपलाइन जाम होने से जलापूर्ति प्रभावित है। पाइपलाइन के पुनर्निर्माण के लिए 2025 में प्रस्ताव भेजा जा चुका है। बजट के अभाव में अभी कार्य शुरू नहीं हो सका है। विभाग को जैसे ही धनराशि उपलब्ध होगी, निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इस कार्य को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

– **विवेक कुमार**, जेई जल निगम